



Hargharpanditji

॥ श्री लक्ष्मी आरती ॥  
ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

---

# FULL DISCLAIMER

---

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS  
AT YOUR DOOR"

## ॥ श्री लक्ष्मी आरती ॥

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता।  
तुमको निशिदिन सेवत, हरि विष्णु विधाता॥

उमा रमा ब्रह्माणी, तुम ही जग माता।  
सूर्य चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता॥

दुर्गा रूप निरंजनि, सुख सम्पत्ति दाता।  
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि सिद्धि धन पाता॥

तुम पाताल निवासिनि, तुम ही शुभदाता।  
कर्म प्रभाव प्रकाशिनि, भवनिधि की त्राता॥

जिस घर तुम रहती हो, ताँहि में हैं सद्गुण आता।  
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता॥

तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न हो पाता।  
खान पान का वैभव, सब तुमसे आता॥

शुभ गुण मन्दिर सुन्दर, क्षीरोदधि जाता।  
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता॥

आरती लक्ष्मी जी की, जो कोई नर गाता।  
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता॥

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता।  
तुमको निशिदिन सेवत, हरि विष्णु विधाता॥